# सत्र समापन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

## ( गुरूवार, दिनांक 31 मार्च, 2016)

माननीय सदस्यगण,

चतुर्थ विधान सभा का यह सप्तम सत्र एवं तृतीय बजट सत्र है। वर्तमान बजट सत्र माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा दिनांक 19 जनवरी, 2016 को आहूत किया गया । यह सत्र दिनांक 1 मार्च, 2016 से 31 मार्च, 2016 तक के लिये निर्धारित था । तद्‌नुसार आज इसकी अंतिम बैठक है ।

मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि वर्तमान सत्र में समस्त निर्धारित संसदीय कार्य पक्ष एवं प्रतिपक्ष के समन्वय से सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुये। सत्र के लिये निर्धारित वित्तीय कार्य एवं अन्य कार्यों पर विचार–विमर्श के लिये आयोजित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक दिनांक 1 मार्च, 2016 में समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि आय–व्ययक पर विस्तार से चर्चा हो सके और समस्त सदस्यों को चर्चा में हिस्सा लेने का अवसर मिल सके इस उद्‌देश्य से शनिवार, दिनांक 19 मार्च एवं रविवार, दिनांक 20 मार्च, 2016 को भी अनुदान की मांगों पर चर्चा करने हेतु बैठक रखी जाये और यह भी निर्णय लिया कि अनुदान मांगों पर चर्चा आरंभ होने की तिथि 14 मार्च से सभा की कार्यवाही प्रति दिन सायंकाल 7.00 बजे तक बिना भोजन अवकाश के निरंतर जारी रहेगी ।

इस सभा के पूर्व सदस्य संत कवि श्री पवन दीवान के स्वर्गारोहण के फलस्वरूप दिनांक 2 मार्च को सभा द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और राज्य के नागरिकों में उनके प्रति समादर एवं श्रद्धा के भाव को विचार में लेते हुये तथा अधिकांश जनप्रतिनिधियों के द्वारा अंत्येष्ठी में सम्मिलित होने की इच्छा के फलस्वरूप दिनांक 3 मार्च को अवकाश रखा गया । तद्‌नुसार वर्तमान सत्र में कुल 20 बैठके हुई ।

वर्तमान सत्र दिनांक 1 मार्च को माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के साथ आरंभ हुआ । आज 31 मार्च को सत्र के अंतिम दिवस पर मुझे यह उल्लेख करते हुये प्रसन्नता हो रही है कि सभा की कार्यवाही के संचालन में आप समस्त पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों का मुझे पूर्ण सहयोग मिला । इस हेतु मैं सदन के माननीय नेता एवं नेता प्रतिपक्ष तथा आप सब माननीय सदस्यों के प्रति हृदय से धन्यवाद देता हूं कि आप सबके सहयोग से सभा की कार्यवाही गरिमापूर्ण रूप से सम्पन्न हुई।

मुझे यह कहते हुये प्रसन्नता हो रही है कि सत्र में पक्ष एवं प्रतिपक्ष के प्रथम बार निर्वाचत सदस्यों ने भी अपने कार्य एवं व्यवहार से संसदीय परम्पराओं, प्रक्रियाओं के प्रति विश्वास को स्थापित किया है और ऐसा कोई अवसर नहीं आया, जब मुझे ऐसा महसूस हुआ हो कि आप प्रथम बार निर्वाचित सदस्य हैं । समस्त

माननीय सदस्य सभा में जनहित के विषयों को ऊठाते हैं और प्रभावी तरीके से अपनी भूमिका का निर्वाह भी करते हैं ।

आप सभी माननीय सदस्यों ने मेरे प्रति अपना विश्वास प्रकट करते हुये मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी है और आप सबके मन में आसंदी के प्रति सम्मान की भावना के फलस्वरूप ही मुझे प्रत्येक परिस्थिति में निर्णय लेने में, आपका यही सम्मान का भाव मुझे सम्बल प्रदान करता है । यह आसंदी सभा से ही शक्ति प्राप्त करती है और सभा से प्राप्त शक्ति से ही सभा की कार्यवाही का संचालन संभव हो पाता है ।

वर्तमान सत्र में एकाध अवसर ऐसा भी आया जब तत्समय सभा की कार्यवाही में गतिरोध की स्थिति उत्पन्न हुई किन्तु पक्ष एवं प्रतिपक्ष के सदस्यों के मध्य समादर एवं सम्मान की भावना रहते हुये ही ऐसा गतिरोध अल्पकाल के लिये ही रहा । गतिरोध के अवसर पर आप सभी माननीय सदस्यों की इस प्रदेश की ढ़ाई करोड़ जनता के प्रति जवाबदेही की भावना से ही यह संभव हो पाता है । इस सदन में गतिरोध कभी भी लम्बे समय तक के लिये नहीं रहता और इस हेतु आप सभी बधाई के पात्र है ।

सभा की कार्यवाही में गतिरोध के अवसर पर जब प्रतिपक्ष के सदस्य सभा की कार्यवाही से बहिर्गमन कर बाहर चले गये तब चूंकि वित्तीय कार्य सम्पादित हो रहा था, जो कि सभा का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, ऐसे कार्य में प्रतिपक्ष के विचार नहीं आ सके, यह स्थिति उचित नहीं होगी, को विचार में लेते हुये सदन के नेता ने सहृदयता का परिचय देते हुये सभा की कार्यवाही को स्थगित करने की भावना व्यक्त की और कार्यवाही प्रतिपक्ष के सदस्यों की उपस्थिति के लिये स्थगित की गई । सभा में पक्ष एवं प्रतिपक्ष के मध्य सद्भावना का भाव निरंतर पुष्ट रहेगा, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है ।

वर्तमान सत्र में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लोक सभा की अध्यक्ष माननीया श्रीमती सुमित्रा महाजन की अध्यक्षता में दिल्ली में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ । इस सम्मेलन का मुख्य विषय **''महिला जनप्रतिनिधि–सशक्त भारत की निर्माता''** था । इस सम्मेलन में इस सभा की समस्त महिला सदस्यों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती रमशीला साहू के नेतृत्व में हिस्सा लिया ।

इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम ''लैंगिक समानता के लिये 2030 तक दुनिया 50–50'' है, जिस पर सदन में संसदीय कार्य मंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य सदस्यों ने अपने विचार प्रकट किये ।

मार्च माह के द्वितीय सोमवार को राष्ट्रकुल के समस्त देश राष्ट्रकुल दिवस के रूप में मनाते हैं । इस वर्ष राष्ट्रकुल दिवस की थीम **''एक समेकित राष्ट्रकुल''** है, तद्नुसार राष्ट्रकुल दिवस के अवसर पर सभा में विशेष उल्लेख किया गया ।

वर्तमान सत्र में भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस विधायक दल के नेता की ओर से मुझे माननीय सदस्य श्री अमित जोगी को भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पार्टी से निष्कासित करने संबंधी सूचना भी प्राप्त हुई, जिस पर दिनांक 15 मार्च को संविधान की दसवीं अनुसूची एवं तद्नुसार बनाये गये दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता नियम के तहत् निष्कासित सदस्य के संबंध में प्रकरण को निर्णित करते हुये यह निर्णित किया गया कि माननीय सदस्य श्री अमित जोगी को संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों से उन्मुक्ति रहेगी और वे सभा में स्वतंत्र अर्थात Free (Politically independent) सदस्य के रूप में कार्यवाही में हिस्सा ले सकेंगे।

सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा छत्तीसगढ़ विधान सभा में पेपर का उपयोग कम से कम हो, साथ ही वेबसाईट पर समस्त जानकारी उपलब्ध होने से इसका अधिकाधिक उपयोग किया जा सके इस हेतु वर्तमान बजट सत्र से **''लेस पेपर योजना''** का क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया । शासन की सूचना प्रौद्योगिकी एजेंसी चिप्स के माध्यम से **''ई–विधान''** वेब पोर्टल तैयार कराया जाकर उसे विधान सभा की वेबसाईट से लिंक किया गया है । सत्र अवधि के दौरान सभा में प्रस्तुत किये जाने वाले साहित्य को ''ई–विधान'' के माध्यम से वेबसाईट पर उपलब्ध कराया गया तथा कुल 132 पीडीएफ फाईल में 6983 पृष्ठ उपलब्ध कराये गये हैं ।

**''ई–विधान''** वेब पोर्टल के अतिरिक्त विधान सभा की वेबसाईट में सत्र से संबंधित अधिसूचना, सामान्य सूची, दिनदर्शिका, प्रश्नों से संबंधित विभागों एवं माननीय सदस्यों को भेजे जाने वाले पत्रक, दैनिक कार्यसूची, माननीय सदस्यों को वितरित किये जाने वाले पत्रक भाग–दो, संक्षिप्त कार्य विवरण (पत्रक भाग–1), प्रश्नोत्तरी एवं प्रति दिन जारी की जाने वाली प्रेस विज्ञप्ति अपलोड की गई है । सत्रावधि में 16700 विजिटर्स के द्वारा विधान सभा की वेबसाईट पर एक लाख से अधिक पृष्ठ देखे गये जो विधान सभा की वेबसाईट की लोकप्रियता को इंगित करता है ।

मेरा सभी सदस्यों से यह अनुरोध है कि वे इस बजट सत्र में वितरित किये गये साहित्य का संदर्भ ''ई–विधान'' पोर्टल के माध्यम से लें और अपने क्षेत्र की जनता को भी इस हेतु प्रोत्साहित करें कि वे विधान सभा की वेबसाईट और ''ई–विधान'' वेब पोर्टल के माध्यम से सभा की कार्यवाही और शासन के द्वारा किये जा रहे क्रियाकलापों की जानकारी से अवगत हो ।

बजट सत्र के दौरान सांस्कृतिक आयोजनों की परम्परा रही है । इस बजट सत्र में दिनांक 15 मार्च, 2016 को श्री मनोज जोशी द्वारा निर्देशित नाटक **'चाणक्य'** का मंचन संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के सौजन्य से विधान सभा आडिटोरियम में हुआ । इस ऐतिहासिक नाटक में कलाकारों के जीवंत अभिनय ने सभी को प्रभावित किया । इस बजट सत्र के दौरान छत्तीसगढ़ विधान सभा सचिवालय द्वारा दिनांक 21 मार्च को होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें देश के प्रख्यात कवि श्री कुमार विश्वास को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था । होली मिलन के इस कार्यक्रम में पक्ष–प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों में

परस्पर समादर और स्नेह का भाव दृष्टिगोचर हुआ, मैं समझता हूं कि छत्तीसगढ़ राज्य विधान सभा की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है ।

अब मैं आपको इस बजट सत्र में सम्पादित कार्यों की संक्षिप्त जानकारी से अवगत कराना चाहूंगा :–

इस सत्र में कुल 20 बैठकों में लगभग 117 घण्टे 03 मिनट चर्चा हुई । इन बैठकों में 195 प्रश्न सभा में पूछे गये, जिनके उत्तर शासन द्वारा दिये गये । इस सत्र में 1563 तारांकित एवं 1237 अतारांकित प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल 2800 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुई । इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 617 सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिसमें 123 सूचनाएं ग्राह्य एवं 433 सूचनाएं अग्राह्य हुई तथा 61 सूचनायें नियम 267 (क) के अंतर्गत परिवर्तित की गई । इस सत्र में स्थगन प्रस्ताव की कुल 153 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 117 अग्राह्य हुई तथा एक विषय से संबंधित 36 सूचनायें सदन में ली जाकर अग्राह्य की गई। शून्यकाल की 135 सूचनाएँ प्राप्त हुई, जिसमें 78 सूचनाएं ग्राह्य और 57 सूचनाएं अग्राह्य रहीं। वर्तमान सत्र में 166 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई जिसमें 50 ग्राह्य एवं 116 अग्राह्य हुई ।

इस सत्र में माननीय सदस्यों द्वारा अशासकीय संकल्प की 24 सूचनाएं दी गईं, जिनमें से 7 अशासकीय संकल्प चर्चा के लिये सदन में रखे गये, उनमें से 4 अशासकीय संकल्प स्वीकृत हुए एवं 3 अशासकीय संकल्प अस्वीकृत हुये । इस सत्र में नियम 139 के अंतर्गत चर्चा हेतु कुल 6 सूचनायें प्राप्त हुई ।

इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 17 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई तथा सभी विधेयक चर्चा उपरांत पारित हुये ।

वित्तीय कार्यों के अंतर्गत वर्ष 2015–16 के तृतीय अनुपूरक अनुमान पर 1 घण्टा 19 मिनट तथा वर्ष 2016–17 के आय–व्ययक पर सामान्य चर्चा में 6 घण्टे 18 मिनट का समय लगा जबकि अनुदान की मॉगों पर 54 घण्टे 38 मिनट चर्चा हुई तथा विनियोग विधेयक पर 5 घण्टे 20 मिनट चर्चा हुई ।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को अवगत कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु दूरदर्शन से प्रश्नकाल का प्रसारण सायं 4.30 से 5.30 बजे तक करने के साथ, विद्यालयों/महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं के साथ–साथ माननीय सदस्यों के माध्यम से आम नागरिकों को कार्यवाही देखने का अवसर दिया जाता है । इस सत्र में प्रदेश के नागरिकों के साथ–साथ विभिन्न जनप्रतिनिधि संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थाओं और विभिन्न संगठनों के लगभग 12500 लोगों ने सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया ।

अन्त में बजट सत्र के समापन अवसर पर इस सत्र के संचालन में, मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय उपाध्यक्ष जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय संसदीय कार्य मंत्री तथा समस्त माननीय सदस्यों के प्रति पुनश्च हृदय से

धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ । आप सभी के समन्वित प्रयास से इस सदन का निर्बाध संचालन संभव हो पाया ।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया ।

मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों, दूरदर्शन एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया ।

सत्र के समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव श्री विवेक ढांड, पुलिस महानिदेशक श्री ए.एन. उपाध्याय सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ तथा सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूँ, जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी ।

मैं विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री देवेन्द्र वर्मा एवं सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूँ, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया ।

सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित करने की परम्परा रही है, तद्नुसार आगामी मानसून सत्र जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में सम्भावित है।

हम सब संसदीय प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं छत्तीसगढ़ के विकास के लिये कृत्य संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ ।

**धन्यवाद ! जय हिन्द ! जय छत्तीसगढ !**

– – –